# बहुचर्चित कांकाणी काला हिरण शिकार मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई

## काला हिरण शिकार केस में बचाव पक्ष के वकीलों ने समय मांगा

- सलमान खान सहित सभी आरोपियों को राहत, 13 जुलाई को अगली सुनवाई होगी
- बचाव पक्ष का कहना था कि मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजों, तथ्यों का अध्ययन किया जाना बाकी है, इसलिए उन्हें तैयारी के लिए समय दिया जाए

**जोधपुर,** (कासं)। बहुचर्चित कांकाणी काला हिरण शिकार मामले में सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान सहित अन्य फिल्मी सितारों से जुड़े इस चर्चित केस की सुनवाई न्यायाधीश रेखा बोराणा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान सलमान खान और अन्य कलाकारों सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने अदालत से अतिरिक्त समय मांगा। बचाव पक्ष का कहना था कि मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजों, तथ्यों का और अध्ययन किया जाना बाकी है, इसलिए उन्हें तैयारी के लिए समय दिया जाए। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को तय की है।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की अपील और सलमान खान की सजा के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई होनी थी। साल 1998 में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग के दौरान जोधपुर के कांकाणी गांव में काला हिरण शिकार का मामला सामने आया था। इस मामले में सलमान खान को पांच साल की सजा हुई थी। मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। जस्टिस रेखा बोराणा की कोर्ट में दो मुख्य अपीलों में सुनवाई होनी थी। पहली अपील सलमान खान की ओर से अधीनस्थ कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। पूर्व में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने सलमान खान को 5 साल के कारावास और 25 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया था। दूसरी अपील राज्य सरकार की ओर से सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, तब्बू, नीलम और दुष्यंत सिंह को बरी किए जाने के खिलाफ पेश लीव टू अपील में शामिल थी।

एडवोकेट महिपाल विश्नोई ने बताया कि सलमान खान एवं अन्य आरोपी के वकीलों ने बहस के लिए समय देने की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई को 13 जुलाई को नियत की है। अब इस प्रकरण से जुड़े सभी कानूनी पहलुओं, राज्य सरकार की अपीलों और सलमान खान की याचिकाओं पर आगामी 13 जुलाई को एक साथ विस्तृत सुनवाई की जाएगी।

# हॉस्टल में हुई चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

## हॉस्टल का कर्मचारी ही मास्टमाइंड निकला

- हॉस्टल कर्मचारी ने अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था

**कोटा,** (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने एयरकंडीशनर चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों में एक आरोपी हॉस्टल का कर्मचारी है, जिसने अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 16 मई को परिवादी ऋषि चौधरी ने बोरखेड़ा थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि कोरल पार्क में सालासर हॉस्टल पांच मंजिल का बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा कि उस हॉस्टल के 3 फ्लोर पर लगे 6 एसी विन्डो वाले को चोर 3 फ्लोर में अंदर घुसकर चुरा ले गये। फरियादी ने होस्टल में से 9 एयरकंडीशनर चोरी होने की रिपोर्ट दी, परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले का खुलासा करने के लिये पुलिस उप अधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल टेलर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने चोरी किये गये माल व आरोपियों की तलाश शुरू की गई, टीम ने हॉस्टल में लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनिकी आधार व पूछताछ के दौरान होस्टल के कर्मचारी रोहित पर संदेह होने पर उसको डिटेन कर पूछताछ की, कड़ी पूछताछ के बाद कर्मचारी रोहित ने अपने साथी के साथ मिलकर एसी चोरी की वारदात को स्वीकारा। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए तुलसा कोटड़ी हाल पेराडाईज हॉस्टल कोरल पार्क निवासी रोहित (24) एवं नयानोहरा निवासी अनिल (27) को गिरफ्तार किया, पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियो को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया, रिमांड के दौरान आरोपियों से चुराये गये एयरकंडीशनर भी बरामद किये है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

# कोटा के इटावा में बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों से बारां, जयपुर, श्योपुर के कई थाना क्षेत्र से चोरी की गई 10 बाइक बरामद की

**कोटा,** (निसं)। इटावा पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पूछताछ के आधार पर पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से कोटा ग्रामीण के बारां, सवाईमाधोपुर, जयपुर एवं श्योपुर मध्यप्रदेश अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी की गई 10 मोटरसाइकिलों को बरामद किया है।

इटावा पुलिस टीम ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश कर चोरी की 10 बाइक बरामद की।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 13 मई को फरियादी हरिशंकर ने इटावा थाने में रिपोर्ट दी, फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि इटावा क्षेत्र में स्थित भूमि विकास बैंक के पास दुकान लगाता है और बाइक से दुकान पर आया और बाइक को बैंक के समीप खड़ा किया। रिपोर्ट में कहा कि एक घंटे बाद देखा तो बाइक को कोई अज्ञात चोरी करके ले गया। ग्रामीण एसपी ने कहा कि पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज किया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सरावग के सुपरविजन में इटावा थानाधिकारी अजीत सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने सायबर सेल की सहायता से मामले में तकनिकी अनुसंधान किया, टीम ने बाइक चोरी की घटना के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए डोली निवासी पवन मीणा (19), इटावा निवासी रोहित उर्फ सुदामा मीणा (22) एवं श्योपुर निवासी आरिफ उर्फ राजा (26) को गिरफ्तार किया, पूछताछ में आरोपियों से बारां, जयपुर, श्योपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी की गई 10 बाईक बरामद की है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

## पति-बच्चों के साथ टहल रही महिला से लूट

**डूंगरपुर,** (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बेखौफ बाइक सवार बदमाशों ने रविवार रात के अंधेरे में एक महिला को निशाना बनाते हुए चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश महिला के गले से करीब दो तोला सोने का मंगलसूत्र तोड़कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड निवासी मंजूला यादव अपने पति प्रवीण यादव और बच्चों के साथ रात को खाना खाने के बाद वॉक पर निकली थीं। इसी दौरान कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सदर थाना सर्किल के पास बाइक पर आए 2 बदमाशों ने मंजुला यादव को निशाना बनाया। बदमाशों ने तेजी से मंजूला के करीब बाइक रोकी और उनके गले पर झपट्टा मारकर करीब 2 तोला वजनी सोने का मंगलसूत्र तोड़ लिया। वारदात इतनी अचानक हुई कि जब तक पीड़िता और उनका परिवार कुछ समझ पाता, तब तक दोनों बदमाश बाइक पर बैठकर तेजी से आंखों से ओझल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के तुरंत बाद पीड़ित परिवार ने स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। सरेराह चेन स्नेचिंग की खबर मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस हरकत में आई और नाकेबंदी करवा दी है।

# भीलवाड़ा में फर्जी कागजात तैयार कर प्लॉट हड़पने वाला गिरोह पकड़ा

- मास्टरमाइंड सहित चार गिरफ्तार, एफएसएल जांच में हस्ताक्षर फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने जमीनों को अवैध रूप से हड़पने और संगठित रूप से भूमाफिया गिरोह चलाकर कीमती प्लॉटों पर कब्जा करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले के मुख्य सूत्रधार (मास्टरमाइंड) समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह जाली दस्तावेज और स्टाम्प वेंडर की मिलीभगत से बैकडेट में फर्जी कागजात तैयार कर जमीनों पर जबरन कब्जा जमा लेता था। एफएसएल जांच में हस्ताक्षर फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पारस जैन एवं वृत्ताधिकारी शहर सज्जन सिंह के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी हनुमान सिंह के नेतृत्व में यह सफलता मिली है। मामले की शुरुआत 18 नवंबर 2023 को हुई, जब वकील कॉलोनी निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग प्रकाशचन्द्र मण्डोवरा ने कोर्ट के जरिए इस्तगासे से कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित के अनुसार, उन्होंने वर्ष 1990 में नगर विकास न्यास भीलवाड़ा से पंचवटी योजना में भूखंड संख्या 669-ए खरीदा था और वर्ष 2000 में इसकी रजिस्ट्री भी करवा ली थी। हाल ही में उन्होंने यूआईटी से लीज मुक्ति प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया था। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, 13 अक्टूबर 2023 को जब पीड़ित प्रकाशचन्द्र अपने प्लॉट पर बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) का निर्माण करवा रहे थे, तब आरोपी घनश्याम सिंधी अपने साथियों के साथ वहां आया। उसने पीड़ित के साथ गाली-गलौज व धक्का-मुक्की की और प्लॉट को खुद का बताते हुए एक बिकावनामा दिखाया। पीड़ित ने जब दस्तावेज देखा तो वह पूरी तरह फर्जी था, जिस पर उनके जाली हस्ताक्षर किए गए थे। आरोपी घनश्याम मनवानी, हेमंत मेठानी और नूर मोहम्मद ने मिलकर स्टाम्प वेंडर गोपालदास वैष्णव से मिलीभगत कर 18 मार्च 2009 का एक फर्जी बैकडेटेड बिकावनामा तैयार कर लिया था, ताकि कीमती जमीन को हड़पा जा सके।

कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जांच के दौरान विवादित बिकावनामे और पीड़ित बुजुर्ग के हस्ताक्षरों के मिलान के लिए दस्तावेज विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजे गए। रिपोर्ट में यह प्रमाणित हो गया कि बिकावनामे पर किए गए हस्ताक्षर पूरी तरह से जाली हैं।

सबूत पुख्ता होते ही थानाधिकारी हनुमान सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने दबिश देकर घनश्याम (53) पुत्र लीलाराम मनवानी निवासी, सिंधु नगर, भीलवाड़ा मुख्य आरोपी गोपालदास पिता ईश्वरदास वैष्णव निवासी सेथुरिया, थाना कारोई, भीलवाड़ा स्टाम्प वेंडर हेमंत कुमार पिता कन्हैयालाल सिंधी निवासी शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा, नूर मोहम्मद पिता अब्दुल गफ्फार मंसूरी निवासी रुस्तम साइकिल स्टोर के पास, थाना भीमगंज, भीलवाड़ा को डिटेन किया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस गिरोह ने शहर में और कितने लोगों को अपनी धोखाधड़ी का शिकार बनाया है।

# उदयपुर के मोबाइल टावर में आग लगी, हादसा टला

- फायर फाइटिंग सिस्टम और अग्निशमन दल ने आग पर पाया काबू

**उदयपुर,** (कासं)। चित्रकूट नगर स्थित भविष्य निधि (पीएफ) कार्यालय के बाहर लगे एक बड़े मोबाइल टावर में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। दोपहर करीब 1 बजे टावर से तेज लपटें और धुआं उठता देख कार्यालय कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही कार्यालय के केयर टेकर कुलदीप सिंह राठौड़ एवं चन्द्रप्रकाश ने तुरंत अग्निशमन दल को सूचना दी। आग तेजी से फैलती देख दोनों कर्मचारियों ने घबराने के बजाय कार्यालय में उपलब्ध फायर फाइटिंग सिस्टम का उपयोग करते हुए आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए। उनकी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के चलते आग को बढ़ने से रोका जा सका। इस बीच अग्निशमन दल भी मौके पर पहुंचा तथा आग पर पूर्णतया काबू पाया। पीएफ क्षेत्रीय आयुक्त-प्रथम प्रशान्त कुमार सिन्हा ने दोनों कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती तो टावर के गिरने या आग के आसपास फैलने से बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों ने कार्यालय के संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर भारी नुकसान होने से बचाया।

# उदयपुर की फतहसागर झील में व्यापारी के ढूबने की आशंका, तलाश जारी

- एसडीआरएफ की 10 सदस्यीय टीम उदयपुर पहुंची, नहीं मिली सफलता

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर की फतहसागर झील में रविवार को नहाने गए व्यापारी के डूबने की आशंका के बीच सोमवार को दूसरे दिन भी रेस्क्यू जारी रहा। हालांकि शाम तक सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ टीम को इसमें सफलता नहीं मिली।

वहीं, हादसे के बाद चिंतित परिजनों का कहना था कि प्रशासन की ओर से कोई सुध नहीं ली जा रही है। वहीं पाल की सड़क पर लगे कैमरे बंद पड़े हैं, जबकि एक ही कैमरा जो एक्वेरियम के बाहर लगा है, वह भी निजी फर्म का है। जबकि झील की पाल या छतरी पर कैमरे लगे होने चाहिए ताकि ऐसी कोई घटना होने पर संबंधित की सटीक जानकारी मिल सके।

इधर, सिविलि डिफेंस द्वारा रविवार को सात घंटे रेस्क्यू चलाया गया उसके बाद आज सुबह एसडीआरएफ की दस सदस्यीय टीम भी उदयपुर पहुंची लेकिन शाम तक सफलता नहीं मिली। परिजनों को यह भी कहना था कि जो एसडीआरएफ की टीम आई है, उसमें भी केवल एक ही व्यक्ति ड्राइवर के तौर पर बार-बार जा रहा है, जिससे रेस्क्यू प्रभावित हो रहा है लेकिन एसडीआरएफ टीम का कहना है कि फतहसागर झील का क्षेत्र बड़ा होने से सर्च ऑपरेशन में समय लग रहा है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर के एक व्यापारी ललित मेहता (62) निवासी अशोक नगर जैन मंदिर के सामने रविवार सुबह 7.30 बजे फतहसागर के निकले थे। फिश एक्वेरियम के सीसीटीवी फुटेज वे 8.02 बजे फतहसागर पहुंचते दिखे और व्यायाम कर कपड़े उतार लाल थैली में रखे। इसके बाद वे किसी कैमरे की दायरे में नहीं दिखे। वहीं 10 बजे फतहसागर किनारे गश्त कर रहे होमगार्ड को एक कपड़े की थैली मिली तो उसने सिविल डिफेंस को सूचना दी। वहीं परिजन भी तलाशते हुए फतहसागर झील पहुंच गए। रविवार को भी रेस्क्यू ऑपरेशन सात घंटे चला इसके बाद शाम होने पर इसे रोक दिया गया और सोमवार को भी पूरे दिनभर सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ की टीमें तलाश करती रही।

# डूंगरपुर : ट्रांसफार्मर और घर में आग लगी

**डूंगरपुर,** (निसं)। जिले में आग लगने की 2 अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। दोवड़ा थाना क्षेत्र के हथाई गांव में एक कच्चे घर में आग लग गई, जिससे घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। वहीं, डूंगरपुर शहर के आदर्श नगर लिंक रोड पर एक बिजली के ट्रांसफार्मर में आग लगने से कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

हथाई गांव में मुकेश कुमार पुत्र थाना बरंडा मीणा के घर में रविवार रात आग लगी। मुकेश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ खाना खाने के बाद घर के बाहर आंगन में सो रहे थे। रात करीब 10 बजे एक पड़ौसी ने घर में आग की लपटें देखकर शोर मचाया। पड़ौसी की आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची, लेकिन तब तक आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था। इस घटना में घर में रखा अनाज, कपड़े और जेवर सहित सारा सामान जलकर राख हो गया।

दूसरी घटना डूंगरपुर शहर के आदर्श नगर लिंक रोड पर हुई, जहां एक ट्रांसफार्मर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास के बिजली के तार भी चिपक गए। फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। ट्रांसफार्मर में आग लगने के कारण आदर्श नगर और आसपास के इलाकों में कई घंटों तक बिजली आपूर्ति ठप रही।

# भरतपुर के अनिरुद्ध नगर क्षेत्र में दस दिन से पेयजल संकट गहराया

## महिलाओं ने जलदाय विभाग कार्यालय के बाहर मटके फोड़कर प्रदर्शन किया

- महिलाओं ने कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि मजबूरी में महंगे दामों पर टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं

**भरतपुर,** (निसं)। शहर के अनिरुद्ध नगर क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से पेयजल संकट गहराने के बाद महिलाओं का गुस्सा सोमवार को जलदाय विभाग कार्यालय पर फूट पड़ा। परेशान महिलाओं ने जलदाय विभाग के बाहर मटके फोड़कर प्रदर्शन किया और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओं का आरोप है कि कॉलोनी में पिछले कई दिनों से पानी की सप्लाई बंद है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महिलाओं और पुरुषों ने समस्या समाधान को लेकर आक्रोश जताया।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को कहा कि पानी नहीं आने से घरों में दैनिक कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लोगों को नहाने और पीने के पानी तक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी सप्लाई बहाल नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

अनिरुद्ध नगर निवासी क्रांति ने बताया कि करीब 10 दिन पहले तक कॉलोनी में पानी आ रहा था, लेकिन उसका कोई निश्चित समय नहीं था। कभी देर रात 3 बजे तो कभी सुबह 6 बजे पानी आता था। अब पिछले 10 दिनों से पानी पूरी तरह बंद है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को मजबूरी में महंगे दामों पर टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं।

महिलाओं ने बताया कि एक पानी के टैंकर के लिए करीब 2 हजार रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं। पीने का पानी भी बाजार से खरीदना पड़ रहा है। पानी की कमी का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है, क्योंकि सुबह पानी की व्यवस्था करने में समय लग जाता है और बच्चे स्कूल देर से पहुंचते हैं। वहीं मामले को लेकर जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता केशव देव पांडे ने बताया कि विभाग के पास पहले इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई थी। सोमवार को महिलाओं द्वारा शिकायत किए जाने के बाद मामले की जांच करवाई जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मंगलवार तक कॉलोनी में पानी सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। साथ ही सप्लाई के दौरान जीपीएस फोटो और वीडियो भी उपलब्ध करवाए जाएंगे ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

# गंगापुर सिटी में वार्ड 26 के लोग पानी की सप्लाई नहीं होने से परेशान

## दो सप्ताह से जलापूर्ति ठप होने से लोगों को पेयजल के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है

- जलदाय विभाग को कई बार सूचित किया जा चुका है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ

**गंगापुर सिटी,** (निसं)। वार्ड संख्या 26 स्थित संजय कॉलोनी में पिछले दो सप्ताह से जलापूर्ति ठप है। इस समस्या के समाधान के लिए सोमवार को कॉलोनीवासियों ने एडीएम बृजेंद्र मीणा को ज्ञापन सौंपा। स्थानीय लोगों ने बताया कि पेयजल के लिए उन्हें टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान और भारी परेशानी हो रही है।

गंगापुर सिटी में वार्ड 26 के निवासी एडीएम बृजेंद्र मीणा को ज्ञापन देने पहुंचे।

ज्ञापन सौंपने वालों में रमन सैन, बहादुर सिंह, सुनील सिंह, रामसेवक गुप्ता, सीमा देवी, सपना, राजेश कुमार राजपूत और नंदकिशोर राजपूत सहित अन्य निवासी शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जलदाय विभाग को कई बार सूचित किया जा चुका है। इसके अलावा राजस्थान मुख्यमंत्री संपर्क पोर्टल 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन समस्या का समाधान अभी तक नहीं हुआ है। विभाग की ओर से केवल समाधान का आश्वासन दिया जा रहा है, जबकि जमीनी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

कॉलोनीवासियों ने आरोप लगाया कि जलदाय विभाग ने रेस्ट हाउस से गर्ल्स स्कूल तक नई पाइप लाइन बिछाई थी। हालांकि, विभागीय लापरवाही के कारण पुरानी पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इसके परिणामस्वरूप, सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं और पूरे क्षेत्र में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। इससे स्कूल, अस्पताल और आसपास के अन्य निवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी की खपत बढ़ जाती है, ऐसे में पर्याप्त पानी नहीं मिलने से पेयजल संकट गहरा गया है। विशेषकर महिलाओं को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि गर्मी को देखते हुए क्षेत्र में शीघ्र जलापूर्ति बहाल की जाए और इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।